

Series E1GFH/5



Set No. 1

प्रश्न-पत्र कोड 2/5/1

अनुक्रमांक

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।



हिन्दी (आधार) HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 15 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।



2/5/1

272 A

1

P.T.O.*^

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :

- (i) इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं - खंड-‘अ’ और ‘ब’ । कुल प्रश्न 13 हैं ।
- (ii) खंड-‘अ’ में 45 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 उपप्रश्नों के उत्तर देने हैं ।
- (iii) खंड-‘ब’ में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं । प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं ।
- (iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।
- (v) दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- (vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खंड – ‘अ’

(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए –

10 × 1 = 10

सनातन काल से ही भारत में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए योग द्वारा शरीर, मन और मस्तिष्क को पुष्ट किए जाने का उल्लेख मिलता है । इसलिए लोग नीरोग और दीर्घजीवी होते थे ।

भारतीय संस्कृति और दर्शन किसी देश या जाति के लिए नहीं, अपितु समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए है । अतः भारतीय संस्कृति को सच्चे अर्थ में मानवता की संस्कृति कहा जा सकता है । योग हमें वैज्ञानिकता के साथ समग्र जीवन-शैली के प्रति जागरूक करता है, जिससे जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है । साथ ही, इससे न केवल शांतिप्रिय जीवन पद्धति को बढ़ावा मिलता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ मानवतापूर्ण संबंध स्थापित करने का संदेश भी प्राप्त होता है । भारत ने योग को हमेशा से सीमा, संस्कृति और भाषा से ऊपर रखा है । इसे यदि सही तरीके से समझा जाए और नियमित अभ्यास किया जाए, तो कई समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है । ‘योग’ शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के ‘युज्’ शब्द से हुई है, जिसका तात्पर्य जोड़ना एवं एकीकरण करने से है । आध्यात्मिक स्तर पर जुड़ने का अर्थ है, आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन और व्यावहारिक स्तर पर योग को शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने तथा सामंजस्य बनाए रखने का एक साधन माना जाता है ।

कोरोना काल में न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी ने योग की महत्ता को देखा और जाना कि योग तनाव घटाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह प्राचीन विद्या है और जीवन को नीरोगी रखने की एक दिव्य विद्या है। कोरोना काल में हम सभी ने अनुभव किया है कि योग हमें भयमुक्त, भाव में जीना सिखाता है। योग स्वस्थ और सुखी रहने के लिए अद्भुत प्रभावी विधि है, इसलिए घर-घर, हर घट, हर घाट पर योग होना चाहिए। योग सदाबहार है, रामबाण है, योग संजीवनी है। योग से तन स्वस्थ और मन विकार-मुक्त होता है। हम योग को एक टोल फ्री नम्बर की तरह उपयोग कर सकते हैं। जिस प्रकार टोल फ्री नम्बर को कोई भी, कहीं से, कभी भी डायल कर सकता है, उसी प्रकार योग भी है। जब तन-मन के लिए सच्चे मन से जागिए, तभी योग साकार हो जाता है। योग के माध्यम से हम जितने गहरे उतरेंगे, उतने शांत होंगे और पाएँगे कि अशांत करने वाले सारे तत्त्वों की धीरे-धीरे पहचान हो रही है और घने अंधेरे की जगह प्रकाश ले रहा है तथा जीवन निरंतर आनंदमय हो रहा है। समस्या शारीरिक हो या फिर पर्यावरण की, इनका समाधान है योग। आज बढ़ते प्रदूषण का समाधान केवल प्रकृतिमय जीवन पद्धति और सतत तथा सुरक्षित विकास में निहित है। यह संदेश योग के माध्यम से जीवन में आता है। अतः योग को आत्मसात कर हम स्वस्थ प्रकृतिमय जीवन जी सकते हैं।

- (i) भारतीय संस्कृति को मानवता की संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है ? 1
- (a) समस्त मानव जाति को आश्रय देने की भावना
 (b) संसार की सबसे प्राचीन संस्कृति होना
 (c) समस्त मानव जाति के प्रति कल्याण की भावना
 (d) समस्त मानव जाति को योग की शिक्षा देना
- (ii) आध्यात्मिक स्तर पर योग साधन है – 1
- (a) आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन का
 (b) आत्मा का शरीर और मन से मिलन का
 (c) आत्मा का मन और मस्तिष्क से मिलन का
 (d) आत्मा का व्यक्ति और समाज से मिलन का
- (iii) कोरोना काल में लोगों को किसके महत्त्व का ज्ञान हुआ ? 1
- (a) अच्छे स्वास्थ्य का (b) योग के महत्त्व का
 (c) चिकित्सकों का (d) पेड़-पौधों का
- (iv) योग को संजीवनी क्यों कहा गया है ? 1
- (a) विश्व में भारत की पहचान बनाने के कारण
 (b) संसार की प्राचीनतम विद्या होने के कारण
 (c) ऋषि-मुनियों द्वारा महत्त्व दिए जाने के कारण
 (d) शरीर को स्वस्थ बनाने के महत्त्व के कारण

- (v) टोल फ्री नंबर से क्या अभिप्राय है ? 1
- (a) संचार-सेवा के लिए उपलब्ध निःशुल्क फोन नंबर
 (b) मनोरंजन के लिए उपलब्ध निःशुल्क फोन नंबर
 (c) खरीददारी के लिए उपलब्ध निःशुल्क फोन नंबर
 (d) शिकायत दर्ज कराने के लिए उपलब्ध निःशुल्क फोन नंबर
- (vi) योग और टोल फ्री नंबर में क्या समानता नहीं है ? 1
- (a) दोनों का लाभ सबके द्वारा प्राप्त किया जा रहा है ।
 (b) दोनों का लाभ कभी भी प्राप्त किया जा सकता है ।
 (c) दोनों का लाभ कोई भी प्राप्त कर सकता है ।
 (d) दोनों का लाभ कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है ।
- (vii) गद्यांश के आधार पर प्राचीनकाल में लोगों के नीरोग और दीर्घजीवी होने का क्या कारण था ? 1
- (a) शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करना
 (b) शुद्ध प्राकृतिक वातावरण का होना
 (c) खूब शारीरिक परिश्रम करना
 (d) योग को जीवन का प्रमुख अंग बनाना
- (viii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए : 1
- (क) योग तनाव घटाता है ।
 (ख) रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है ।
 (ग) योग सभी समस्याओं का समाधान है ।
- ऊपर लिखित कथनों में से कौन सा / कौन से सही है / हैं ?
- (a) केवल (क) (b) केवल (ग)
 (c) (क) और (ख) (d) (ख) और (ग)
- (ix) योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ प्रेरणा भी देता है – 1
- (a) सादा जीवन उच्च विचार रखने का
 (b) समस्त विश्व को परस्पर जोड़ने का
 (c) समस्त मानव मात्र के कल्याण का
 (d) प्रकृतिमय जीवन-पद्धति अपनाने का

- (x) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए -

1

कथन (A) : घर-घर, हर घट, हर घाट पर योग होना चाहिए ।

कारण (R) : योग से तन स्वस्थ और मन विकार-मुक्त होता है ।

- (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है ।
(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है ।
(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।
(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -

5 × 1 = 5

काव्यांश-एक

प्रतीक्षा की

बहुत जोही बाट

जेठ बीता, हुई वर्षा नहीं, नभ यों रहा खल्वाट

आज है आषाढ़ वदि षष्ठी

उठा था ज़ोर का तूफ़ान

उसके बाद

सघन काली घन घटा से

हो रहा आच्छन्न यह आकाश

आज होगी, सजनि, वर्षा-हो रहा विश्वास

हो रही है अवनि पुलकित, ले रही निःश्वास

किंतु अपने देश में तो

सुमुखि, वर्षा हुई होगी एक क्या, कै बार

गा रहे होंगे मुदित हो लोग ख़ूब मलार

भर गई होगी अरे वह वाग्मती की धार

उगे होंगे पोखरों में कुमुद पद्म मखान

आँख मूँदे कर रहा मैं ध्यान

लिखूँ क्या प्रेयसि, यहाँ का हाल

सामने ही बह रही भागीरथी, बस यही है कल्याण
जिस किसी भाँति गर्मी से बचे हैं प्राण
आज उमड़ी घन घटा को देख
मन यही करता कि मैं भी, प्रियतमे, उसका करूँ आह्वान
- कालिदास समान
सामने सरपट पड़ा मैदान
है न हरियाली किसी भी ओर
तृण-लता तरुहीन
नग्न प्रांतर देख
उठ रहा सिर में बड़ा ही दर्द
हरा धुँधला या कि नीला -
आ रहा चश्मा न कोई काम
किंतु मुझको हो रहा विश्वास
यहाँ भी बादल बरसने जा रहा है आज
अब न सिर में उठेगा फिर दर्द
गंगा नहाते वक्रत
आया ख्याल
हिमालय में गल रही है बर्फ :
आज होगा ग्रीष्म ऋतु का अंत

- (i) 'आज वर्षा होगी' कवि के इस अति विश्वास का आधार क्या है ? 1
- (a) जेठ मास का समाप्त होना (b) आषाढ मास का आगमन
(c) धरती का प्रसन्न होना (d) आकाश में काले बादलों का घिर आना
- (ii) 'उठ रहा सिर में बड़ा ही दर्द' - पंक्ति के संदर्भ में कवि के सिर में उठने वाले दर्द का कारण क्या है ? 1
- (a) उसके स्वास्थ्य का ठीक न होना (b) समय पर वर्षा न होना
(c) हरियाली विहीन प्रांतर का होना (d) भागीरथी में पानी कम होना
- (iii) 'हो रहा आच्छन्न यह आकाश' - पंक्ति में 'आच्छन्न' शब्द का अर्थ है - 1
- (a) दबा हुआ (b) ढका हुआ
(c) फैला हुआ (d) बिखरा हुआ
- (iv) शहरी मैदान को कवि ने 'नग्न' क्यों कहा है ? 1
- (a) तृण विहीन होने के कारण (b) लता विहीन होने के कारण
(c) तरुहीन होने के कारण (d) वनस्पतिहीन होने के कारण

(v) 'हो रही अवनि पुलकित, ले रही निःश्वास' – काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है ?

1

(a) अनुप्रास

(b) रूपक

(c) यमक

(d) मानवीकरण

अथवा

काव्यांश-दो

मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता
तो बस्ती-बस्ती में फिरता रहता
सुंदर नद-नालों का यार होता
मस्ती में अपनी झूमता रहता । मैं भी अगर
आदमी का गुण मुझ में न होता
ईर्ष्या की आग में न जलता होता
स्वार्थ के युद्ध में न मरता-मारता
बंब-मिसाइल की वर्षा न करता । मैं भी अगर
आँख में दौलत का काजल न पुतता
शान के लिए पराया माल न हड़पता
हर मानव मेरा हित-बंदु होता
रंग-रूप पर अपना गर्व न करता । मैं भी अगर
तब सारा जग मेरा अपना होता
पासपोर्ट-वीजा कोई न खोजता
स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता
विश्व-भर में मेरा अपना राज्य होता । मैं भी अगर
प्यार के गीत जन-जन को सुनाता
आवाज से अपनी सब को लुभाता
मानवता की वेदी पर सिर झुकाता
सागर-उर्मिल का झूला झुलाता
मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता ॥

- (i) पंछी के रूप में कवि की क्या अभिलाषा है ? 1
- (a) समस्त विश्व पर राज्य करने की
 (b) समस्त विश्व का भ्रमण करने की
 (c) समस्त विश्व में प्रेम-प्रसार करने की
 (d) समस्त वन-प्रदेश में स्वतंत्र घूमने की
- (ii) 'आदमी का गुण मुझमें होता' – पंक्ति में निहितार्थ 'गुण' से कवि का अभिप्राय है 1
- (a) आदमी में विद्यमान अवगुण
 (b) आदमी में विद्यमान अच्छाइयाँ
 (c) आदमी में विद्यमान मानवता की भावना
 (d) आदमी में विद्यमान परोपकार की भावना
- (iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि समर्थक है – 1
- (a) भ्रमण, हिंसा, भ्रष्टाचार और अहंकार का
 (b) भ्रमण, अहिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का
 (c) शांति, हिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का
 (d) शांति, अहिंसा, ईमानदारी और विश्व-बंधुत्व का
- (iv) 'स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता' पंक्ति में आए 'स्वच्छन्द' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – 1
- (a) आज़ाद (b) निरंकुश
 (c) मुक्त (d) नियंत्रित
- (v) 'सागर-उर्मिल का झूला झुलाता है' – पंक्ति के रेखांकित अंश में कौन-सा अलंकार है ? 1
- (a) रूपक (b) उत्प्रेक्षा
 (c) मानवीकरण (d) अतिशयोक्ति

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों का चयन करके लिखिए – 5 × 1 = 5

- (i) नेट साउंड या नेट कहते हैं – 1
- (a) घटना स्थल से प्रत्यक्षदर्शियों की आवाज़ को
 (b) शूट करते समय खुद-ब-खुद रिकार्ड होने वाली आवाज़ को
 (c) ख़बरों को प्रभावशाली बनाने के लिए कृत्रिम आवाज़ को
 (d) नेट के माध्यम से आने वाली आवाज़ को

- (ii) तथ्यों या सूचनाओं को उनके घटते हुए महत्त्वपूर्ण क्रम में लिखना, कहलाता है – 1
 (a) उलटा पिरामिड शैली (b) सीधा पिरामिड शैली
 (c) कथात्मक शैली (d) वर्णनात्मक शैली
- (iii) खबर की पुष्टि करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को कहते हैं – 1
 (a) एंकर-पैकेज (b) फोन-इन
 (c) लाइव (d) एंकर-बाइट
- (iv) किसी समाचार संगठन के लिए निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार कहलाता है – 1
 (a) पूर्णकालिक पत्रकार (b) अंशकालिक पत्रकार
 (c) स्वतंत्र पत्रकार (d) फ्रीलांसर पत्रकार
- (v) समाचार के मुखड़े में खबर लिखी जाने का सही ककार क्रम है – 1
 (a) क्या, कौन, कब, कहाँ (b) क्या, कौन, कब, क्यों
 (c) कौन, क्यों, क्या, कैसे (d) क्या, कहाँ, कब, कैसे

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 5 × 1 = 5

झूमने लगे फल,
 रस अलौकिक,
 अमृत धाराएँ फूटती
 रोपाई क्षण की
 कटाई अनंतता की
 लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती
 रस का अक्षय पात्र सदा का
 छोटा मेरा खेत चौकोना

- (i) साहित्यिक कृति से जो अलौकिक अमृत-धारा फूटी, वह किसका परिणाम है ? 1
 (a) कवि की कल्पना का (b) किसान की मेहनत का
 (c) क्षण में होने वाली रोपाई का (d) क्षण में होने वाली कटाई का
- (ii) 'कटाई अनंतता की' के माध्यम से कवि साहित्य की किस विशेषता की ओर संकेत करना चाहता है ? 1
 (a) साहित्य कालजयी होता है ।
 (b) साहित्य समाज-सापेक्ष होता है ।
 (c) साहित्य समाज का दर्पण होता है ।
 (d) साहित्य अनंतता का भंडार होता है ।

- (iii) रचना कर्म की दृष्टि से साहित्य को 'रस का अक्षय पात्र' क्यों कहा गया है ? 1
- (a) साहित्य जगत में कवि की पहचान अनंतकाल तक बनी रहने के कारण
 (b) साहित्य से प्राप्त आनंद के अनंतकाल तक बने रहने के कारण
 (c) साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध होने के कारण
 (d) साहित्य मनोरंजन का प्रमुख साधन होने के कारण
- (iv) कवि कर्म की दृष्टि से 'रोपाई' का अर्थ है 1
- (a) काव्यानंद की अनुभूति (b) फसल की कटाई करना
 (c) बीजों की बुवाई करना (d) अनुभूति को शब्द-बद्ध करना
- (v) छोटा खेत किसका प्रतीकार्थ है ? 1
- (a) फसल रोपे जाने वाले खेत का ।
 (b) आकार में छोटे खेत का ।
 (c) कागज के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है ।
 (d) कागज के उस पन्ने का जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है ।

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – 5 × 1 = 5

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था । रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया । बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया । इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए । 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई । पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था । दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी । सास को खरी-खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की ।

- (i) पिता की मृत्यु का समाचार भक्तिन के पास विमाता द्वारा देरी से भेजने का कारण था – 1
- (a) उसे पसंद न करना
 (b) उससे ईर्ष्या करना
 (c) संपत्ति की रक्षा करना
 (d) कोई साधन न होना

- (ii) भक्तिन ने सास के किस व्यवहार को 'अप्रत्याशित अनुग्रह' कहा है ? 1
- (a) बिना कहे ही पिता के घर जाने के लिए कहना
 (b) बढ़िया-बढ़िया वस्त्र पहनने के लिए देना
 (c) बढ़िया-बढ़िया गहने पहनने के लिए देना
 (d) पिता के घर जाने के लिए चना-चबेना देना
- (iii) 'पैरों के पंखों का गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ जाना' – का आशय है – 1
- (a) थकावट का दूर हो जाना (b) खुशियों का समाप्त हो जाना
 (c) खुशियों का दुख में बदल जाना (d) पैरों की गति का मंद पड़ जाना
- (iv) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1
- कथन (A) :** लक्ष्मी पिता के घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी ।
कारण (R) : वह पिता के चिर-वियोग और विमाता के व्यवहार से दुखी थी ।
- (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है ।
 (b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है ।
 (c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं ।
 (d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है ।
- (v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए – 1
- (क) गाँव की सीमा में पहुँचते ही लक्ष्मी के पैरों में पंख लग गए ।
 (ख) लक्ष्मी को देखते ही गाँव वाले उसे सहानुभूतिपूर्ण दृष्टि से देखने लगे ।
 (ग) लक्ष्मी ने विमाता पर आया क्रोध पति को खरी-खोटी सुनाकर शांत किया ।
 उपरिलिखित कथनों में से कौन-सा/कौन-से सही है/हैं ?
- (a) केवल (क) (b) केवल (ख)
 (c) केवल (क) और (ग) (d) केवल (ख) और (ग)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए – $10 \times 1 = 10$

- (i) "सिल्वर वैडिंग" कहानी की विषय-वस्तु आधारित है – 1
- (a) समाज में बदलते जीवन-मूल्यों पर
 (b) समाज में बदलते पारिवारिक-मूल्यों पर
 (c) समाज में बदलते सामाजिक-मूल्यों पर
 (d) समाज में बदलते सांस्कृतिक-मूल्यों पर

- (ii) यशोधर बाबू के मातहत उन्हें क्यों पसंद नहीं करते थे ? 1
- (a) वे अपना काम अपने मातहतों से करवाते थे ।
- (b) उनके कारण उन्हें दफ्तर में देर तक बैठना पड़ता था ।
- (c) वे जूनियरों के साथ कठोर व्यवहार करते थे ।
- (d) मातहतों का हँसी-मजाक उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था ।
- (iii) दफ्तर से बाहर निकलते समय यशोधर बाबू किशन दा द्वारा सिखाई गई कौन-सी परंपरा का पालन अवश्य करते ? 1
- (a) जूनियरों के साथ चाय-कॉफी पीना
- (b) जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना
- (c) अपनी टेबल का सारा काम खत्म करना
- (d) जूनियरों के दिन-भर के काम का लेखा-जोखा लेना
- (iv) 'मैं पढ़ने जाऊँगा' आनंदा की अपने पिता से यह बात कहने की हिम्मत क्यों नहीं होती थी ? 1
- (a) पिता के गुस्सैल स्वभाव के कारण
- (b) पिता के बीमार रहने के कारण
- (c) पिता की पढ़ाई में रुचि न होने के कारण
- (d) पिता द्वारा पढ़ाई-खर्च वहन करने की असमर्थता के कारण
- (v) दीवाली बीतते ही गाँव में कैसी चहल-पहल शुरू हो जाती थी ? 1
- (a) खेतों में फसलों की बुवाई शुरू होने लगती थी ।
- (b) खेतों में फसलों की कटाई शुरू होने लगती थी ।
- (c) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलने लगते थे ।
- (d) फसलों को बेचने का काम शुरू होने लगता था ।
- (vi) आनंदा को स्कूल में फिर से नाम लिखवाने की जरूरत क्यों नहीं पड़ी ? 1
- (a) क्योंकि दत्ताजी राव ने उसे स्कूल पढ़ने के लिए भेजा था ।
- (b) क्योंकि उसका नाम रजिस्टर से कटा नहीं था ।
- (c) क्योंकि वह गाँव के प्रतिष्ठित परिवार से था ।
- (d) क्योंकि उसके पिता के मास्टर जी से घनिष्ठ संबंध थे ।

(vii) आनंदा ने पाठशाला नहीं जाने की बात क्यों सोची ? 1

- (a) लड़कों द्वारा खिल्ली उड़ाये जाने के कारण
- (b) मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण
- (c) स्कूल की वर्दी न होने के कारण
- (d) कॉपी-किताब न होने के कारण

(viii) मुअनजो-दड़ो सबसे बड़ा शहर है - 1

- (a) लौह-काल के शहरों में
- (b) ताम्र-काल के शहरों में
- (c) स्वर्ण-काल के शहरों में
- (d) पाषाण-काल के शहरों में

(ix) मुअनजो-दड़ो की गलियों में टहलते हुए लेखक को किस जगह की याद आई ? 1

- (a) राजस्थान के गाँव कुलधरा की
- (b) हरियाणा के गाँव कुलधरा की
- (c) गुजरात के गाँव कुलधरा की
- (d) पंजाब के गाँव कुलधरा की

(x) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए - 1

कथन (A) : सिंधु घाटी सभ्यता लघुता में भी महत्ता का अनुभव कराने वाली संस्कृति थी ।

कारण (R) : (क) लो-प्रोफाइल सभ्यता थी ।

(ख) यहाँ के मूर्तिशिल्प, औजार छोटे हैं ।

(ग) यहाँ मिले नरेश के सिर से छोटे सिरपेंच की कल्पना भी नहीं की जा सकती ।

- (a) कथन (A) सही है, पर सभी कारण (R) ठीक नहीं हैं ।
- (b) कथन (A) सही है और (ख) और (ग) कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं ।
- (c) कथन (A) गलत है पर सभी कारण (R) ठीक हैं ।
- (d) कथन (A) सही है और तीनों कारण (R) उसकी सही व्याख्या करते हैं ।

खंड – 'ब'
(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए - $1 \times 6 = 6$
- (क) सर्दी की एक कंकपाती रात
(ख) जब पिताजी की पदोन्नति हुई
(ग) दिनोंदिन गिरता भू-जल स्तर
(घ) स्वप्न में प्रिय अभिनेता/अभिनेत्री से भेंट
8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए - $2 \times 3 = 6$
- (क) कहानी और नाटक में पाई जाने वाली समानताओं और असमानताओं का उल्लेख कीजिए।
(ख) "रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा और रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी" - कैसे ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
(ग) कथावस्तु का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य किस आधार पर विभाजित किए जाते हैं ?
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए - $2 \times 4 = 8$
- (क) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराना माध्यम कौन-सा है ? उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ख) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।
(ग) समाचार लेखन की शैली का विस्तार से वर्णन करते हुए लिखिए कि यह शैली समाचार-लेखन की मानक शैली कैसे बनी।
10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए - $2 \times 3 = 6$
- (क) "आत्मपरिचय" कविता के आधार पर लिखिए कि व्यक्ति का समाज के साथ क्या संबंध है और कवि का संसार के साथ कैसा संबंध है ?
(ख) कविता की उड़ान को चिड़िया के समान बताते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि कविता की उड़ान चिड़िया की समझ से परे है ? 'कविता के बहाने' के संदर्भ में लिखिए।
(ग) तुलसीदास ने 'कवितावली' के छंदों में अपने समय के लोगों की जीविका-विहीनता का चित्रण किस प्रकार किया है ?

11. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए – 2 × 2 = 4
- (क) 'बगुलों के पंख' कविता से उद्धृत पंक्ति 'हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से' – में कवि किस माया की बात कर रहा है ?
- (ख) 'बादल राग' कविता में कवि ने धनिकों के भवनों को 'आतंक-भवन' क्यों कहा है ?
- (ग) 'उषा' कविता के आधार पर लिखिए कि काली सिल पर लाल केसर मलने से किस प्रकार का दृश्य उपस्थित होता है ? यह तुलना कवि ने किस आधार पर की है ?
12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए – 2 × 3 = 6
- (क) 'काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं।' 'काले मेघा पानी दे' से ली गई प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
- (ख) 'पितृसत्तात्मक-मान्यताओं और छल-छद्म भरे समाज में अपने और अपनी बेटियों के हक की लड़ाई ने भक्तिन के जीवन की दिशा पूरी तरह बदल दी।' भक्तिन पाठ के आधार पर उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।
- (ग) बाज़ार का जादू किन लोगों पर अधिक असर करता है ? इसके चढ़ने-उतरने पर क्या स्थिति होती है ?
13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए – 2 × 2 = 4
- (क) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लुट्टन पहलवान की अंतिम इच्छा लिखिए।
- (ख) 'शिरीष के फूल' निबंध में लेखक ने जीवन के किस शाश्वत सत्य का उल्लेख किया है ?
- (ग) महादेवी वर्मा अपने और भक्तिन के संबंधों को मालिक और नौकरानी का संबंध क्यों नहीं मानती ? 'भक्तिन' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

